उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने आज स्वामी विवेकानन्द की जयंती पर लखनऊ के अमीनाबाद स्थित झण्डेवाला पार्क में स्वामी विवेकानन्द की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर राज्यपाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि विवेकानन्द आचार और विचार के संगम थे। देश में ही नहीं बल्कि विदेशों में जाकर विवेकानन्द ने प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं वसुधैव कुटुम्बकम का महत्व बताया। विवेकानन्द ने अमेरिका के शिकागो में सर्वधर्म सम्मेलन में भाषण देकर भारत के सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डाला था। उन्होंने कहा कि विवेकानन्द ने इतनी अल्पायु में जो कुछ कर गये, वह आज वाली शताब्दियों तक विश्व को दिशा और गति प्रदान करता रहेगा।

श्री नाईक ने कहा कि विवेकानन्द ने अपने विचारों के माध्यम से भारत की अलग पहचान बनाई। उनके विचारों से समाज में जागरूकता आई। उन्होंने कहा कि महापुरुषों की प्रतिमा चेतना जागृत करने के उद्देश्य से लगाई जाती है। उन्होंने कहा कि महापुरुषों के विचारों को अपने जीवन में उत्तरार्थ का हम सबको प्रयास करना चाहिये।

इस अवसर पर अन्य लोगों ने भी अपने विचार व्यक्त किये और स्वामी विवेकानन्द को श्रद्धांजलि अर्पित की।